स्टार्टअप

डॉक्टर के सहायक के रूप में काम करता वॉइस असिस्टेंट डॉकवीटा

आईआईटी के छात्रों ने बनाया ऐसा डिवाइस जो मरीजों का प्रिसक्रिप्शन करता है नोट

सृष्टि भट्ट | इंदौर

आईआईटी इंदौर के अनमोल अरोरा और विक्रम पटेल ने डॉक्टर्स के काम को आसान करने के लिए एक वॉइस असिस्टेंट बनाया है। असल में ये docvita.com एप्लीकेशन डॉक्टर्स के हेल्पर के तौर पर काम करती है। जैसे डॉक्टर जब किसी मरीज का चेकअप करते हैं तो उसकी बीमारी से जुड़ी सारी चीजें अपने हेल्पर को बताते जाते हैं, जिसे वो नोट कर फाइल तैयार करता है। सारे निरीक्षण परीक्षण करने के बाद दवाओं का प्रिसक्रिप्शन बनाया जाता है, जिसमें भी डॉक्टर्स की हैंडराइटिंग दवा दुकान वालों के अलावा किसी को समझ नहीं आती है। ये वॉइस असिस्टेंट डॉक्टर्स की कमांड लेकर पेशंट्स से जुड़ी सारी जानकारियां नोटडाउन करता जाता है।

अनमोल अरोरा और विक्रम पटेल

प्रिसक्रिप्शन का प्रिंट लेकर डॉक्टर्स सीधे मरीज को दे सकते हैं

प्रिसक्रिप्शन का प्रिंट लेकर डॉक्टर्स सीधे मरीज को दे सकते हैं, यानी डॉक्टर्स को न किसी हेल्पर की आवश्यकता है और न ही पेन और पेपर रखने की। डॉक्टर्स की मदद के लिए इसमें डायबिटीज, गायनो, किड्स, डेंटल, ऑर्थो जैसे कई अलग-अलग सेगमेंट भी दिए गए हैं।

पहले से ही सोच रखा था प्रोजेक्ट शुरू करने में आठ माह लगा

आईआईटी इंदौर से साल 2016 में पासआउट अनमोल बताते हैं, आईआईटी की डिग्री हाथ में आते ही मेरे पास स्विट्जरलैंड की सर्न कंपनी का ऑफर था और विक्रम को माइक्रोसॉफ्ट कंपनी से, लेकिन हमने पहले से ही सोच रखा था कि अपना स्टार्टअप शुरू करेंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट को सेटअप करने में करीब आठ महीनों का वक्त लगा। हम चार लोगों की टीम में अरविंद मेवाड़ा और रंजीत खत्री भी शामिल हैं। साथ ही एडवाइजरी बोर्ड में डॉक्टर्स की टीम भी मदद करती है। विक्रम बताते हैं, डॉक्टर्स की ओर से इस वॉइस असिस्टेंट को लेकर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इतना ही नहीं अपनी जरूरत के अनुसार बहुत सारे डॉक्टर्स इसमें कुछ नए फीचर्स जोड़ने की सलाह भी देते हैं, जिन पर काम चल रहा है।

आपने भी यदि कोई स्टार्टअप शुरू किया हो तो उसकी सक्सेस स्टोरी हमें शेयर कर सकते हैं। इस मेल पर 250 शब्दों में भेजें- yuvarojgaravasar@dbcorp.in

Dainik Bhaskar (Indore), 18th August 2019, Page-4